



आरत का राजपत्र

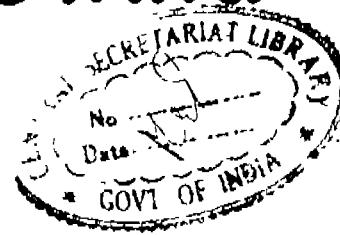
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 544]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 28, 1996/आश्विन 5, 1918

No. 544]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 28, 1996/ASVINA 5, 1918

भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 27 सितम्बर, 1996

का.आ. 665(अ).—बाजार आसूचना और समाचार भाष्यमों की रिपोर्टों के आधार पर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् भाप्रविष्टों के रूप में निर्दिष्ट) ने एक्सचेन्जों में अनाधिकृत समविहारों के अधिकथन और बाजार मूल्यों में अधिकथित मंदी के बारे में जांच की। विभिन्न एक्सचेन्जों से शेरियों के मूल्यों के बारे में जानकारी मंगाई गई थी। दलालों द्वारा किए गए संब्यवहारों के विवरण का विश्लेषण किया गया था। इसके आधार पर पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज के कुछ सदस्य और उनके ग्राहकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक्सचेन्ज के कुछ दलालों से स्वीकृति प्राप्त हुई थी जिसमें उन्होंने कथन किया कि “सदस्य एक्सचेन्ज के बाहर के संब्यवहारों और बदला संब्यवहारों की प्रथा बन्द कर देंगे।” दूसरे शब्दों में भाप्रविष्टों के पद्धतिरियों के सामने यह स्वीकार किया गया था कि एक्सचेन्ज के बाहर बड़े पैमाने पर संब्यवहार हो रहे थे जिनके बारे में स्टॉक एक्सचेन्ज को सूचित नहीं किया गया था और उनके द्वारा वह बदला संब्यवहार भी किए जा रहे थे।

यह पाया गया कि कुछ दलाल जो ऐसी गतिविधियों में सम्मिलित थे। वस्तुतः एक्सचेन्ज के सभी निर्वाचित निवेशकों से उनके अपने लिखित वक्तव्य के अनुसार ऐसे बदला संब्यवहार और एक्सचेन्ज के बाहर संब्यवहार किए थे।

उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर, भाप्रविष्टों ने इसके 2 सितम्बर, 1996 के पत्र द्वारा पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज के शासी मण्डल को कारण बताए कि शासी मण्डल क्यों न अतिष्ठित कर दिया जाए। दिनांक 18 सितम्बर, 1996 के पत्र द्वारा पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज ने भाप्रविष्टों द्वारा जारी किए गए कारण

बताओ नोटिस का उत्तर दिया। इस उत्तर में यह कथित किया गया था कि शासी मण्डल दलालों द्वारा हस्ताक्षरित दिनांक 10 फरवरी, 1996 के लिखित अध्यायेदान से अवगत नहीं था। उन्होंने आगे कथन किया कि पूरे शासी मण्डल ने कभी भी उप नियमों और विनियमों के उल्लंघन में सहायता नहीं की न ही यह घोर अनुशासनहीनता और दुराचरण में सहयोगी बना। उन्होंने आगे कथन किया कि सभी निर्वाचित निदेशकों ने सम्पूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए त्यागपत्र दे दिए हैं। कथित पत्र में उन्होंने भाप्रविष्टों या सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार शासी मण्डल द्वारा एक्सचेन्ज के किया-कलापों में सुधार करने के लिए प्रारम्भ किए गए उपाय का भी विवरण दिया।

तदोपरांत दिनांक 25 सितम्बर, 1996 के पत्र द्वारा पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज के शासी मण्डल को दिनांक 27 सितम्बर, 1996 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया था। शासी मण्डल ने इस अवसर का उपयोग किया और मेजर जनरल श्री परमार, दोनों जन प्रतिनिधि और श्री पी.एल. काडलास्कर, कार्यपालक निदेशक सितम्बर 27, 1996 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

इस व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान शासी मण्डल की ओर से उन्होंने वही दोहराया जो उन द्वारा उनके दिनांक 18 सितम्बर, 1996 के पत्र में कथित था। आगे यह भी कथित किया गया कि बदला और एक्सचेन्ज के बाहर के संब्यवहारों से सम्बन्धित मामले पर शासी मण्डल भाप्रविष्टों के 1995 की पहली निरीक्षण रिपोर्ट के सन्दर्भ में धर्वा की गई थी। ये विचार विमर्श अक्टूबर-नवम्बर 1995 में किए गए थे और तदोपरांत निर्णय लिया गया था कि दलालों की बहियों के निरीक्षण के लिए सनदी लेखाकारों को नियुक्त किया जाए। आगे यह भी कथन किया गया कि सनदी लेखाकारों की निरीक्षण रिपोर्टों ने पुष्टि की कि पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज में दिला और एक्सचेन्ज के बाहर संब्यवहार किए जा रहे थे। जन प्रतिनिधियों ने प्रचंड बदला संब्यवहारों और एक्सचेन्ज के बाहर के संब्यवहारों के बारे में चिंता व्यक्त की।

शासी मण्डल की ओर से अभ्यावेदनों पर मैंने विचार किया है। ऐसा लगता है कि एक्सचेन्ज के निर्वाचित निदेशक एक्सचेन्ज की उपविधियों और विनियमों द्वारा यथा अपेक्षित एक्सचेन्ज के संव्यवहारों के बारे में रिपोर्ट करने में असफल रहे हैं। स्वयं निर्वाचित निदेशकों द्वारा ही बकाया स्थितियों का निर्णय किया गया है जिसका आजार सुरक्षा और निदेशकों के हित पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज में बदला संव्यवहार करने पर रोक होने के बावजूद एक्सचेन्ज के निर्वाचित निदेशकों सहित सदस्य दलालों के ऐसे अवैध संव्यवहार किए। इस प्रकार निर्वाचित निदेशक न केवल उपविधियों का अनुशासन करने में और स्टॉक एक्सचेन्ज में अपेक्षित अनुशासन बनाए रखने में असफल रहे बल्कि स्वयं भी ऐसे संव्यवहारों में एक पक्ष के रूप में शासित हुए।

न ही एक्सचेन्ज के सदस्यों द्वारा, सदस्यों द्वारा किए गए संव्यवहारों पर मार्जिन का भुगतान किया गया। मार्जिन का अपवर्त्तन किया गया और शासी मण्डल ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम नहीं उठाए कि एक्सचेन्ज की उपविधियों द्वारा यथा अपेक्षित मार्जिनों का समय पर भुगतान कर दिया जाता है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए शासी मण्डल का उत्तर कि वे ऐसे अवैध संव्यवहारों से परिवित नहीं थे विश्वासमेय प्रतीत नहीं होता है। यह धारणा रखते हुए भी कि एक्सचेन्ज के शासी मण्डल के सदस्य इन किए जा रहे प्रबंध संव्यवहारों से परिवित नहीं थे, यह एक्सचेन्ज के शासी मण्डल को पर्यवेक्षण और प्रभावशाली बनाता है। एक्सचेन्ज का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करे कि अवैध संव्यवहार नहीं किए जाते हैं तथा इस मामले में अवैध संव्यवहार एक्सचेन्ज के निर्वाचित निदेशकों द्वारा भी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त लंगभग 25 दलालों के ऐसे संव्यवहार में शामिल होने की रिपोर्ट की गयी, जो ऐसे अवैध संव्यवहारों का अधिनिर्दिष्ट परिमाण उपर्युक्त करता है।

उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मुझे विश्वास हो गया है कि पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज का शासी निकाय प्रतिभूति संविदा विनियमन अधिनियम के उपबंधों एवं समय—समय पर उसके अधीन जारी किए गए नियमों और अधिसूचनाओं का उपर्युक्त शासन और कार्यालयन सुनिश्चित करने में असफल रहा है। इसलिए यह आवश्यक है स्टॉक एक्सचेन्ज की सुरक्षा और सत्यानिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कंपर की गयी चर्चा के अनुसार संव्यवहार नहीं किए जाते हैं और किसी भी कीमत पर विनिधानकर्ता के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, कठोर उपाय अपनाए जाएं।

भाग्यविकास को यह सुनिश्चित करना होता है कि एक्सचेन्ज की प्रणालियां ऐसी हैं कि संव्यवहार, विनिधानकर्ता के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव छाले बिना विधिपूर्ण प्रकार से किए जाते हैं। सुनिश्चित करने के लिए कि एक्सचेन्ज में ऐसे प्रणालीगत सुधार होते हैं। उस व्यक्ति को जो ऐसे संव्यवहार में प्रत्यक्षः या परोक्षत संबद्ध हो सकेगा, का यथन तब तक नहीं किया जाना चाहिए जब तक ऐसा प्रणालीगत सुधार न किया गया हो। इन व्यक्तिगत परिषत को सुनिश्चित करने के लिए और एक्सचेन्ज में पूर्णतः शुद्धता और सुधार लाने के लिए यह आवश्यक है कि स्वतंत्र निष्पक्ष व्यक्ति की नियुक्ति की जाए।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और 30 जुलाई, 1992 की अधिसूचना सं. एस.ओ. 573 के अनुसरण में प्रतिभूति संविदा विनियमन अधिनियम की धारा 11 के अधीन मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूरे स्टॉक

एक्सचेन्ज शासी निकाय की एतद्वारा आज से 6 महीनों की अवधि तक अतिथित किया जाता है और श्री डब्ल्यू. एस. ताम्बे, निवासी बी/4 फयाली को. आप सोसायटी आनन्दी बाई शिरके पथ आई. सी. एस. कॉलोनी, पूर्ण-411 007 को शासी निकाय की सभी शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और पालन के लिए एतद्वारा नियुक्त किया जाता है। श्री डब्ल्यू. एस. ताम्बे आज से 6 महीने की अवधि के लिए पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज के प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। अब से एक्सचेन्ज का कार्यपालक निदेशक शासी निकाय के सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करेगा और पूरे स्टॉक एक्सचेन्ज के नियमों और उपविधियों में यथा उल्लेखित कार्यपालक निदेशक की शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा। स्थापि कार्यपालक निदेशक स्टॉक एक्सचेन्ज का एक कर्मचारी बना रहेगा। और श्री डब्ल्यू. एस. ताम्बे को ऐसी सहायता देगा जैसा कि वह ठीक समझे। श्री ताम्बे ऐसे व्यक्तियों से अतिरिक्त सहायता से सकेंगे यदि वह इसे आवश्यक समझे।

मुझे जानकारी दी गई है कि नए निदेशकों के चुनाव के प्रयोगाने से स्टॉक एक्सचेन्ज 28 सितम्बर, 1996 को वार्षिक बैठक कर रहा है चूंकि पुराने निदेशकों ने त्यागपत्र दे दिया है वार्षिक सामान्य बैठक उपर्युक्त आदेश को ध्यान में रखते हुए निदेशकों के निर्वाचन सम्बन्धी कार्यसूची पद को भाग्यविकास के आगामी आदेशों तक स्थगित रखेगी।

[सं. एस.ई. बी.आई/एल ई/0111-9/96]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 27th September, 1996

S.O. 665 (E).—Based on market information and media reports, Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as SEBI) had conducted enquiries into the allegation of unauthorised transactions on stock exchanges and alleged depression of market prices. Information on the prices of the scrips were sought from various exchanges. Details of the transactions carried out by the brokers were analysed. Based on the same, some of the members of the Pune Stock Exchange and their clients were inspected. During the course of the inspection, admissions were received from some of the brokers of the exchange wherein they stated that "the members will stop the practice of off the floor transactions and carry forward transactions." In other words it was admitted before the SEBI officials that there was large scale off the floor transactions which were not reported to the stock exchange and that carry forward of transactions were being undertaken by them.

It was observed that some of the brokers who had indulged in such activities were the elected directors of the exchange. In fact, all the elected directors of the exchange had

as per their own written representation entered into such carry forward transactions and off the floor transactions.

Based on the above findings, vide its letter September 2, 1996, SEBI issued a show cause notice to the Governing Board of the Pune Stock Exchange giving an opportunity to show cause as to why the Governing Board should not be superseded. By a letter dated September 18, 1996, Pune Stock Exchange replied to the show cause notice issued by SEBI. In the said reply it was stated that the Governing Board was not aware of the written representation dated February 10, 1996 signed by the brokers. They further stated that the entire Governing Board has never aided the violation of the bye-laws and regulations and nor has it become a party to the gross indiscipline and misconduct. They further stated that all elected directors have resigned after taking due responsibility. In the said letter they also announced the measures initiated by the Governing Board for improving the functions of the exchange as per the directives issued by SEBI or Government.

Thereafter by letter dated September 25, 1996, the Governing Board of the Pune Stock Exchange was given an opportunity of personal hearing on September 27, 1996. The Governing Board availed of this opportunity and Major General Jathar, Mr. Parmar, both public representatives and Shri P.L. Kadlaskar, Executive Director remained personally present on September 27, 1996.

During the course of the personal hearing, on behalf of the Governing Board they reiterated what was stated by them in their letter dated September 18, 1996. It was further stated that the issue relating to carry forward and off the floor transactions was discussed in the Governing Board in the context of SEBI's earlier inspection report of 1995. These discussions were held in the month of October-November 1995 and thereafter a decision was taken to appoint a panel of Chartered Accountants to inspect the books of the brokers. It was further stated that Chartered Accountants inspection reports confirmed that carry forward and off the floor transactions were being carried on at Pune Stock Exchange. The public representatives further expressed concern about the rampant carry forward transactions and off the floor transactions.

I have considered the representations on behalf of the Governing Board. It appears that the elected directors of the exchange have failed to report the transactions of the exchange as required by the bye-laws and regulations of the exchange. Outstanding positions have been built up by the elected directors themselves which adversely affects the safety of the market and the investor's interest. Inspite of a prohibition of entering into carry forward transactions at the Pune Stock Exchange, the broker members including the elected directors of the exchange have entered into such illegal transactions. Thus the elected directors have not only failed in implementing the bye-laws and the required discipline on the stock exchange, but have also themselves been a party to such transactions.

Nor have margins been paid by the members of the exchange on the transactions carried out by the members. There has been evasion of margin and the Governing Board has not taken steps to ensure that the adequate margins are paid on timely basis as required by the bye-laws of the exchange.

In view of the above, the reply of the Governing Body that they were not aware of such illegal transactions does not appear to be convincing. Even assuming that the members of the Governing Board of the exchange were not aware of rampant illegal transactions being carried out this speaks volumes of the supervision and the effectiveness of the Governing Board of the exchange. It is the duty of the exchange to ensure that illegal transactions do not take place and in this case the illegal transactions have been carried on also by the elected directors of the exchange themselves. Further around 25 brokers are reported to have entered into such transactions indicating the extent of malaise of such illegal transactions.

In view of the above facts, I am convinced that the Governing body of Pune Stock Exchange has failed in ensuring proper governance and implementation of the provisions of the SCR Act as well as its Rules and notifications issued thereunder from time to time. Therefore, it is essential that drastic measures are adopted in order to ensure the safety and integrity of the stock exchange and to ensure that illegal transactions as discussed above are not carried on and that the investors' interests are not adversely affected at any cost.

SEBI has to ensure that the systems and the procedures on an exchange are such that transactions are carried on in a lawful manner without adversely affecting the investors' interests. In order to ensure that such systematic improvements take place on the exchange the persons who may have indulged in such transactions either directly or indirectly should not be elected till such systematic changes are carried out. For ensuring these systematic changes and completing cleaning and overhauling the exchange it is necessary that an independent impartial person is appointed.

In view of above and in exercise of the powers conferred on me under section 11 of the SCRA in pursuance to the notification no. S.O. 573 dated July 30, 1992, the Governing Board of the Pune Stock Exchange is hereby superseded for a period of 6 months from today and Mr. W.S. Tambe, residing at B/4 Fayali Co-op Scty, Anandibai Shirke Path, ICS Colony, Pune 411 007, is hereby appointed to exercise and perform all the powers and duties of the Governing Body. Mr. W.S. Tambe will act as an administrator of the Pune Stock Exchange for a period of 6 months from today. The Executive Director of the exchange will hence forth not perform his duties as a member of the Governing Board and will not exercise the powers of the Executive Director as mentioned in the rules and bye-laws of the Pune Stock Exchange. The Executive Director will however continue to be an

employee of the stock exchange and give such assistance to Mr. W.S. Tambe as he deems fit. Mr. Tambe may take further assistance of such persons as he thinks it necessary.

I have been informed that the stock exchange is holding an annual general meeting on September 28, 1996 for the purposes of electing new directors as the old directors have

resigned. The annual general meeting will in view of the above order adjourn the agenda item relating to election of directors till further orders from SEBI.

[No. SEBI/LE/0111-9/96]
D.R. MEHTA, CHAIRMAN
Securities and Exchange Board of India